azamworld.blogspot.com
डायमंड कामिक्स की भेंट
3-D
जंगल की रानी
डायमण्ड कॉमिक्स
मुफ्त
3-D
थ्री टोनल चश्मा

azamworld.blogspot.com persent's

http://azamworld.blogspot.com is a place where you get latest Movies, Comics,E Books,Softwares,Wallpapers,Games etc.

Movies:- Get latest Hollywood & Bollywood movies,Hindi dubbed Hollywood Movies, [DUAL AUDIO][ENG-Hindi] Movies.

Comics:- Get 2500+ English & Hindi language comics.

English Comics:- Marvel Comics,Boom Kids ! Studios Comics,Vertigo Comics,DC Comics, 52 Comics,Asterix [40 Comics],INCREDIBLE HULK [90 Comics],X-Men First Class English [12 Comics],Spider Man Comics,A Team Comics,Tomb Raider Comics,Uncle Scrooge Comics, Walt Disney's Comics and Stories,Tintin -The Complete Collection etc.

Hindi Comics:- 400+ diamonds Comics[Billoo,Chacha Chaudhary,Phantom,Pinki, Raman etc].More than 900+ Raj comics [Ashwraj,Bhokal,Dhruva,GamrajInspector Steel, Nagraj,Parmanu,Ram Rahim,Shakti,Tiranga etc.]

Manoj comics:-Aakrosh,Hawaldar Bahadur,Jataayu,Crookbond etc.(350+ Manoj Comics)
Tulsi Comic:- Angaara,Jambu,Tausi etc.(150+ Tulsi Comics)
Other Publisher:- Radha Comics,Indrajaal Comics,Parampara Comics, Nutan Comics,Pawan Comics,Pitara Comics,Chitra Bharti Katha Mala, Cunnu Comics,Goyal Comics,Golden Comics,Neelam Chitra Katha etc.

E Books:- Sherlock Holmes Complete collection,PC World Magazine,Cookary Books (Khana Khajana Cook Book By Sanjeev Kapoor)& Novels(Chetan bhagat, Agatha Christie etc),Academics & Professional Course eBooks etc.

Softwares:- Get lots of softwares(Adobe portable),Photo To Sketch Converter, Windows 7 Activator etc.

Wallpapers:- Get lots of Nature,Cityscapes,Psychedelic,Sea,Magic Water, widescreen Wallpapers,Celebrity Wallpapers etc.

Games:- Get lots of latest & all type full games here.

Note:- Our priority to provide Mediafire [MF] Link.

© Azamworld.blogspot.com . All Rights Reserved.

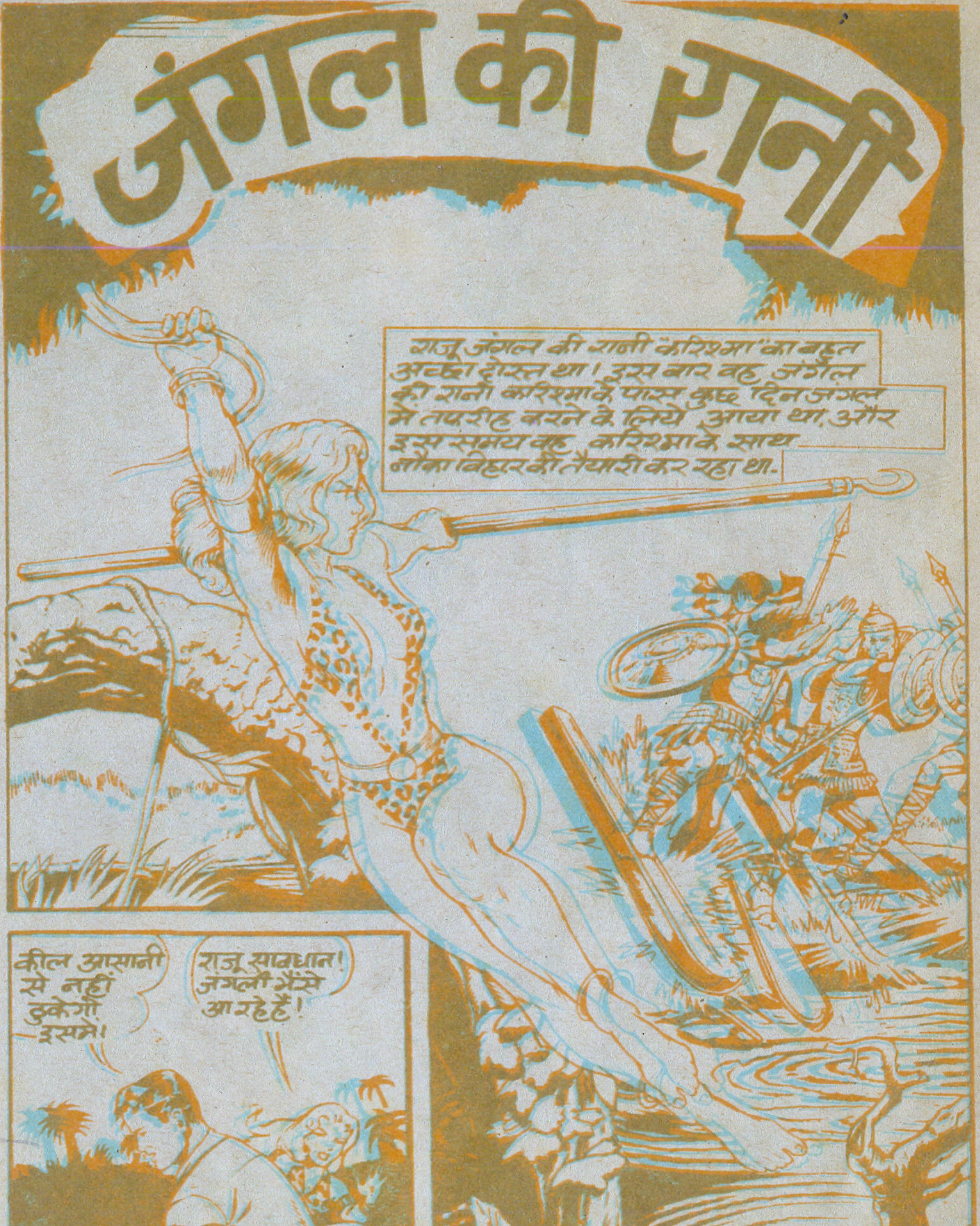

नोट :- 3-D का पूरा आनन्द पाने के लिए कृपया इस पुस्तक को पढ़ते समय बाईं आँख पर लाल और दाईं आँख पर नीला चश्मा लगाएं!

जंगली भैंसे तीव्र उनके पीछे से प्रकट हुए...
चलो हम बचे इन जंगली जानवरों के शिकंजे से!
अरे राज! वो देखो दूर से आती नाव! शायद उसमें कुछ नर कंकाले भी हैं!
अरे हाँ, बाबई नर-कंकाले! साथ में दो बन्दर... एक तो शायद चिम्पू है।
ची... ची!
वाह! चिम्पू! तुम इधर कैसे? जरा हाथ बढ़ाना।
आखिर...
चलो अच्छा हुआ हम किनारे तक पहुंच गये।
करिश्मा यह चिम्पू का दोस्त कहां से आया?

यह तो मैं नहीं जानती पर राजू
भई वाह! कागज का टुकड़ा
अरे देखो करिश्मा! इसके गले में यह लॉकेट शायद इसके भीतर कुछ हो।
खून से लिखा पर्चा! कोई मदद चाहता है।
फिर तो हमें जरूर मदद करनी चाहिये।
पापा... आपका नक्शा गलत है... यहाँ कोई खजाना नहीं है।
नहीं बेटी, मुझे पूर्ण विश्वास है इस नक्शे पर मेरे पिताजी ने यह नक्शा दो हिस्सों में बनाया था।
इसका दूसरा हिस्सा तुम्हारे चाचा विक्रम के पास है वह हमसे पहले यहाँ आ चुका है... देखना जल्दी ही वह हमें रास्ते में मिलेगा।
पापा देखो, जमीन पर बने ये पैरों के निशान!
अरे यह क्या? चेतावनी?
जो भी यहाँ से आगे
उफ! नहीं, नहीं (सुबक) चाचा
अरे यह तो मेरा भाई विक्रम ही

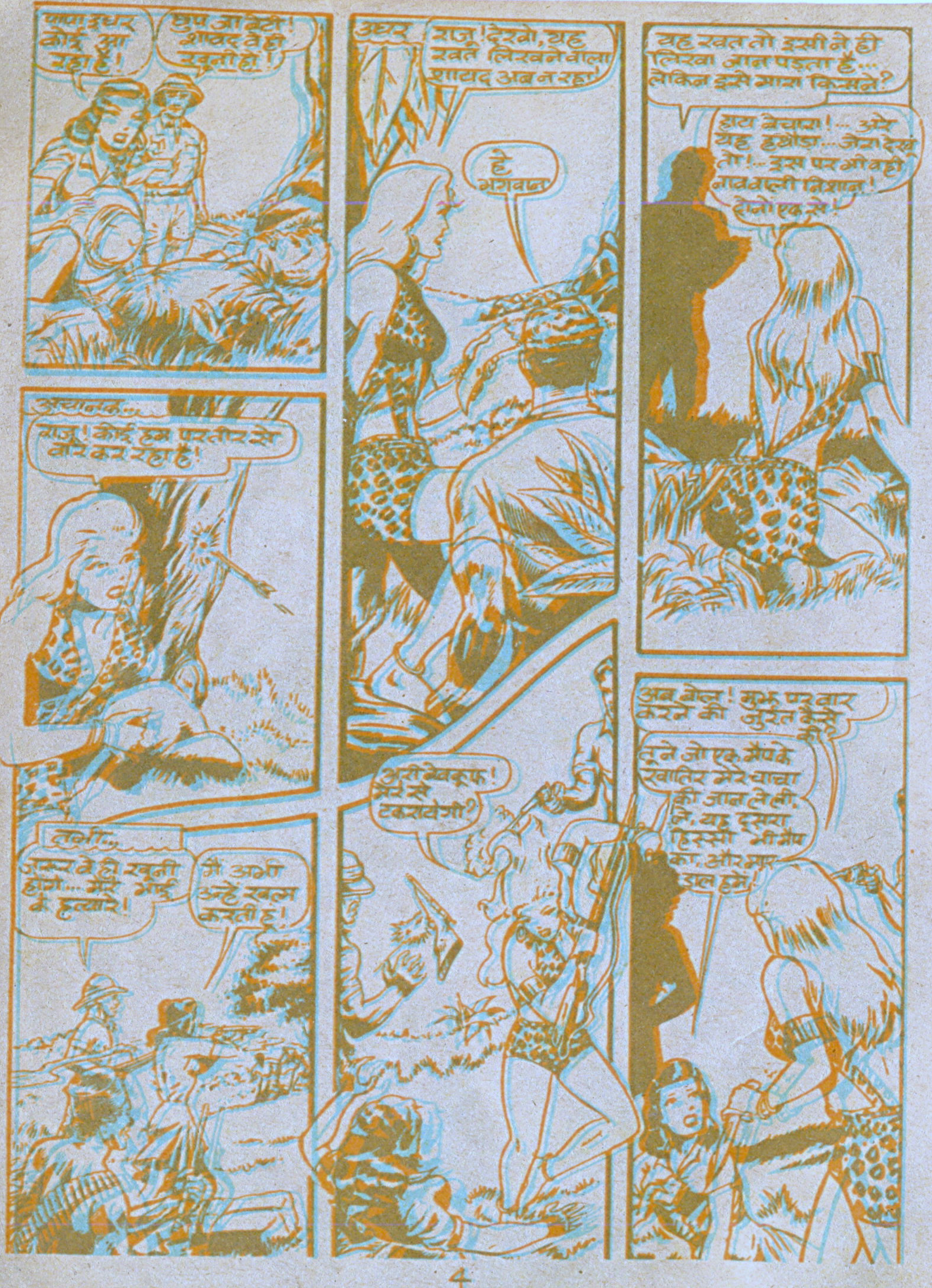
पापा इधर कोई आ रहा है!
चुप आ बेटी! शायद वे ही खूनी हों!
उधर
राजू! देखो, यह खत लिखने वाला शायद अब न रहा!
हे भगवान
यह खत तो इसी ने ही लिखा जान पड़ता है... लेकिन इसे मारा किसने?
हाय बेचारा!... अरे यह हथौड़ा... जरा देखो तो!... इस पर भी वही नाववाली निशान! दोनों एक से!
अचानक...
राजू! कोई हम पर तीर से वार कर रहा है!
अरी बेवकूफ! मेरे से टकरायेगी?
तभी...
जरूर वे ही खूनी होंगे... मेरे भाई के हत्यारे!
मैं अभी उन्हें खत्म करती हूं!
अब बोल! मुझ पर वार करने की जुरत कैसे की?
तूने जो एक मैप के खातिर मेरे चाचा की जान ले ली, ले, यह दूसरा हिस्सा भी मैप का, और मार डाल हमें!

हमने उनकी जान नहीं ली... हम तो उनकी मदद के लिये आये थे।
पर हमने तो तुम्हें ही खूनी समझा था।
खैर जो होना था, सो हुआ। अब यह बताओ नक्शे में छुपे इस खजाने का पता हम कैसे लगा सकते हैं..?
मुझे नक्शा दिखाओ!
लेकिन तभी
जाओ, फाड़ खाओ इन शिकारियों को
अरे... यह काले चीते कहां से आ गये?
करिश्मा ने...
क्या तुम दोनों भूल...
दोनों चीतों को सम्भाला-
गये थे... यहां करिश्मा का राज है!

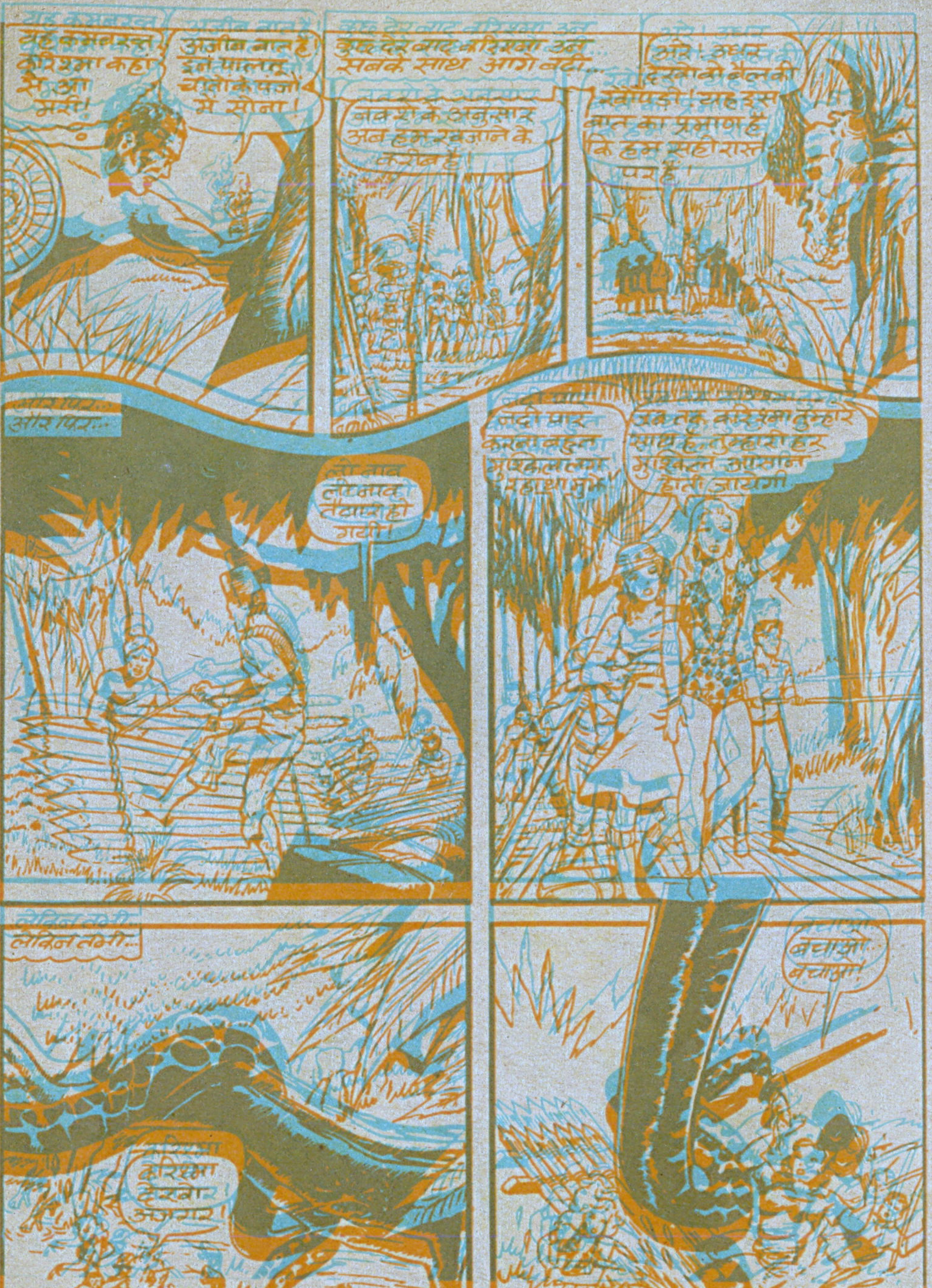
यह कमबख्त करिश्मा कहाँ से आ मरी!
अजीब बात है! इन पालतू चीतों के पंजों में सोना!
कुछ देर बाद करिश्मा अब सबके साथ आगे बढ़ी...
नक्शे के अनुसार अब हम खज़ाने के करीब हैं!
अरे! उधर देखो बैल की खोपड़ी! यह इस बात का प्रमाण है कि हम सही रास्ते पर हैं!
और फिर...
तैयार हो गयी!
नदी पार करना बहुत मुश्किल लग रहा था मुझे!
जब तक करिश्मा तुम्हारे साथ है, तुम्हारी हर मुश्किल आसान होती जायगी
लेकिन तभी...
करिश्मा देखो! अजगर
बचाओ! बचाओ!

दुष्ट... छोड़ दे उसे!
कुछ देर बाद
अब रात काफी हो गयी!
हाँ, अब हमें यहीं रात भर के लिये पड़ाव डालना है!
और तभी...
राजू को दिखी खूंखार जंगलियों की टोली!
दोस्त... धावा बोल दो
शहरीयों पर!
राजू, सावधान! वह, आ गये!

अब अटैक!
लेकिन वे बहुत सारे हैं!
फिर उनमें घमासान लड़ाई छिड़ गयी-
हो... अब आयी तू मेरे निशाने पर!
ह. ह. ह. जंगल की रानी अब तुम कैदी हो!
कैदियों को नाव पर ले जाओ!
चलो बढ़ो आगे!
उफ! मेरा सिर चकरा रहा है!
अचानक...
मूर्ख जंगली जंगल की रानी कोई बकरी नहीं जो यूं आसानी से कैदी बन जायेगी।

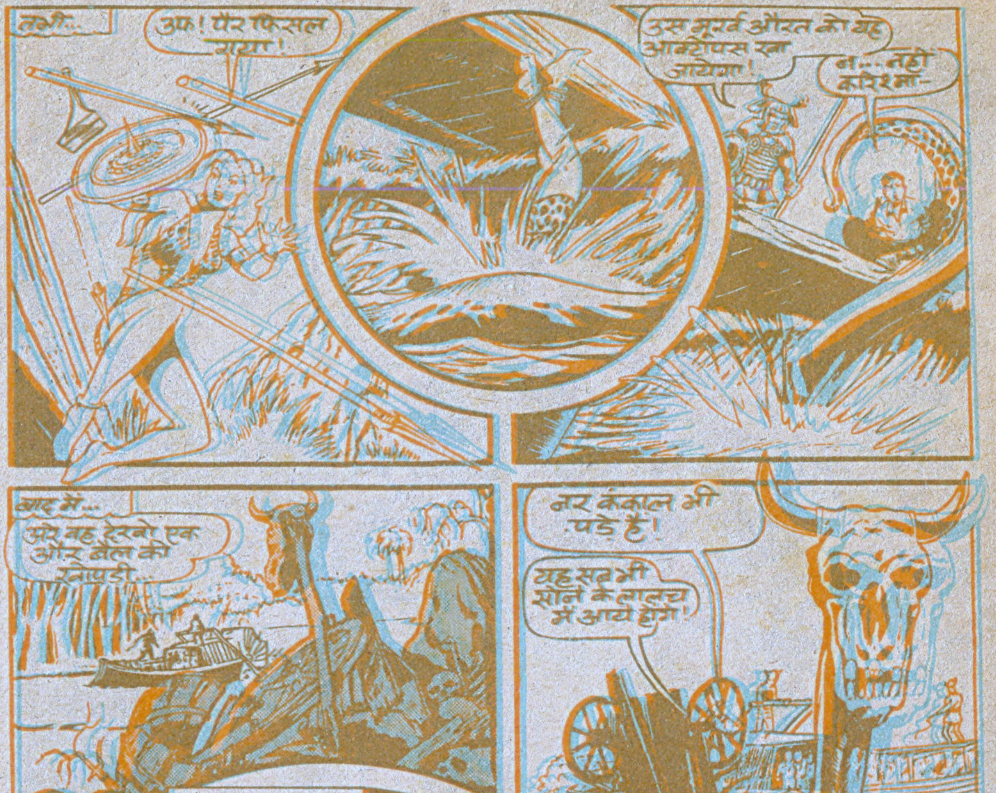
तभी...
उफ! पैर फिसल गया!
उस मूर्ख औरत को यह आक्टोपस खा जायेगा!
न... नहीं करिश्मा-
बाद में...
और वह देखो एक और बैल की खोपड़ी...
नर कंकाल भी पड़े हैं!
यह सब भी सोने के लालच में आये होंगे!
काफी देर बाद...
यहां इन कैदियों की बलि चढ़ानी है!
करिश्मा होती तो
हाय मेरी करिश्मा न जाने उस पर क्या बीत रही होगी!

इधर...
करिश्मा सचमुच मौत से जूझ रही थी.
दुश्मन से छीनी इस ढाल का प्रयोग करना चाहिये!
और तभी...
जान तो बची!
अरे वाह! मेरे ये कीचड़ लगे हाथ भी सोने जैसे चमक रहे हैं! अ... और उधर एक लाश पड़ी है!...
जल्दी से...
...लाश से यह तैरने का सामान मिला!
फिर...
मुझे फौरन ही वहां पहुंचना है जहां राजू इत्यादी कैद हैं!

और उधर...
अब देखो उधर छत से लटका लोहे का गोला और किसी एक को पालतू जानवरों की ओर उछाल देगा!
बचाओ... बचाओ...
ओह! मुझे फौरन वहां पहुंचना चाहिये जहां से यह आवाज आ रही है!
अरे ये जंगली भैंसे! इनकी मदद से ही मैं उन्हें बचाऊंगी... लेकिन देर करने से काम न चलेगा!
वे झपटे...
करिश्मा ने तुरन्त...
अपने हाथ में थमी सोने के ठोस टुकड़ों से भरी थैली से वार करके उन्हें गिरा दिया!
उधर...
आह! अब हमें कोई नहीं बचा सकता पापा!
ओह! नहीं!

तभी अचानक भूतहा भैंसे प्रकट हुए...
और यह क्या! हमारे पालतू भैंसों के कंकाल यहां कैसे? जरूर कोई बात है!
अरे बोलूह! इसमें कोई चाल नजर आती है!
अब बहुत देर हो चुकी है!
मैं कहता हूं कैदियों को मार डालो!
तू बन्दियों को रिहा करता है या नहीं, चखेगा मेरी छुरी की धार!
ठीक है, ठीक है!
राज जल्दी करो!
कुछ गड़बड़ की तो मेरा चाकू तुम्हें यम लोक पहुंचा देगा!
तुमने तो पांसा ही पलट दिया करिश्मा!
मौत की घाटी से जिन्दा वापिस आने वाली इस देवी के आगे हम सब घुटने टेकते हैं और अब से यह हमारी रानी होगी और यहां का सारा खजाना इसी का होगा!
माफ कर दे देवी!
उठो लेकिन अपने किये की सजा तुम्हें भुगतनी ही होगी!
बाद में...
वाकई यहां खजाना है, बैल की खोपड़ी, वह भी सोने की... लेकिन यह तो बताओ वो भैंस के कंकाल तुम्हें कहां मिले?
अरे भई! नदी किनारे की मिट्टी सोने जैसे चमकती है, मैंने सिर्फ दो जंगली भैंसों को बेहोश कर उन पर मिट्टी सनी उंगलियों से कंकाल बना दिये थे. फिर उन्हें इधर हांक दिया, बस!

जंगल की रानी
खूंखार बाज़ मानवों का गिरोह जवान और सुन्दर आदिवासी लड़कियों को कबीलों में से जबरदस्ती उठा ले जाता था. करिश्मा आज-कल उसी गिरोह के पीछे लगी हुई थी. और संयोग से राजू इस अभियान में भी करिश्मा के साथ था।
वह बाज़ मानवों के गिरोह का ही एक जहाज था.
तुम्हारा अनुमान सही है करिश्मा. वह जहाज़ लाल हवेली की ओर ही जा रहा है।
वहां उसमें लड़कियों को लाद दिया जायेगा।

इन दुष्टों के हवेली में जाने के बाद पीछे से मैं भी आऊंगी!
लेकिन वायदा करो तुम सिर्फ हालात देख कर लौट आओगी उनसे भिड़ोगी नहीं!
हवेली में...
हवेली में शबाला तुम्हारा स्वागत करती है, अब मैं ही यहां की स्वामी हूं।
यह कैसे हो सकता है- बाज गिरोह का सरदार तो ज़ोहेब था?
ज़ोहेब अब सरदारी के काबिल नहीं रहा था.... इसलिये...
...मैंने उसका खात्मा कर दिया... यह देखो उसका कटा हुआ सिर...!
ऐ मालिक का कटा सिर! यह औरत बड़ी ज़ालिम लगती है!
तो जनाब कान खोल कर सुन लो अब से गुलामों का जो भी कारोबार होगा सारा मेरे जरिये होगा।
उधर...
करिश्मा जोखिम मत उठाओ! यहां मगरमच्छ बहुत हैं!
ज़िन्दगी कभी खतरे से खाली नहीं, बस मैं अभी आयी समझो!
अगले ही क्षण करिश्मा ने पानी में छलांग लगा दी और.

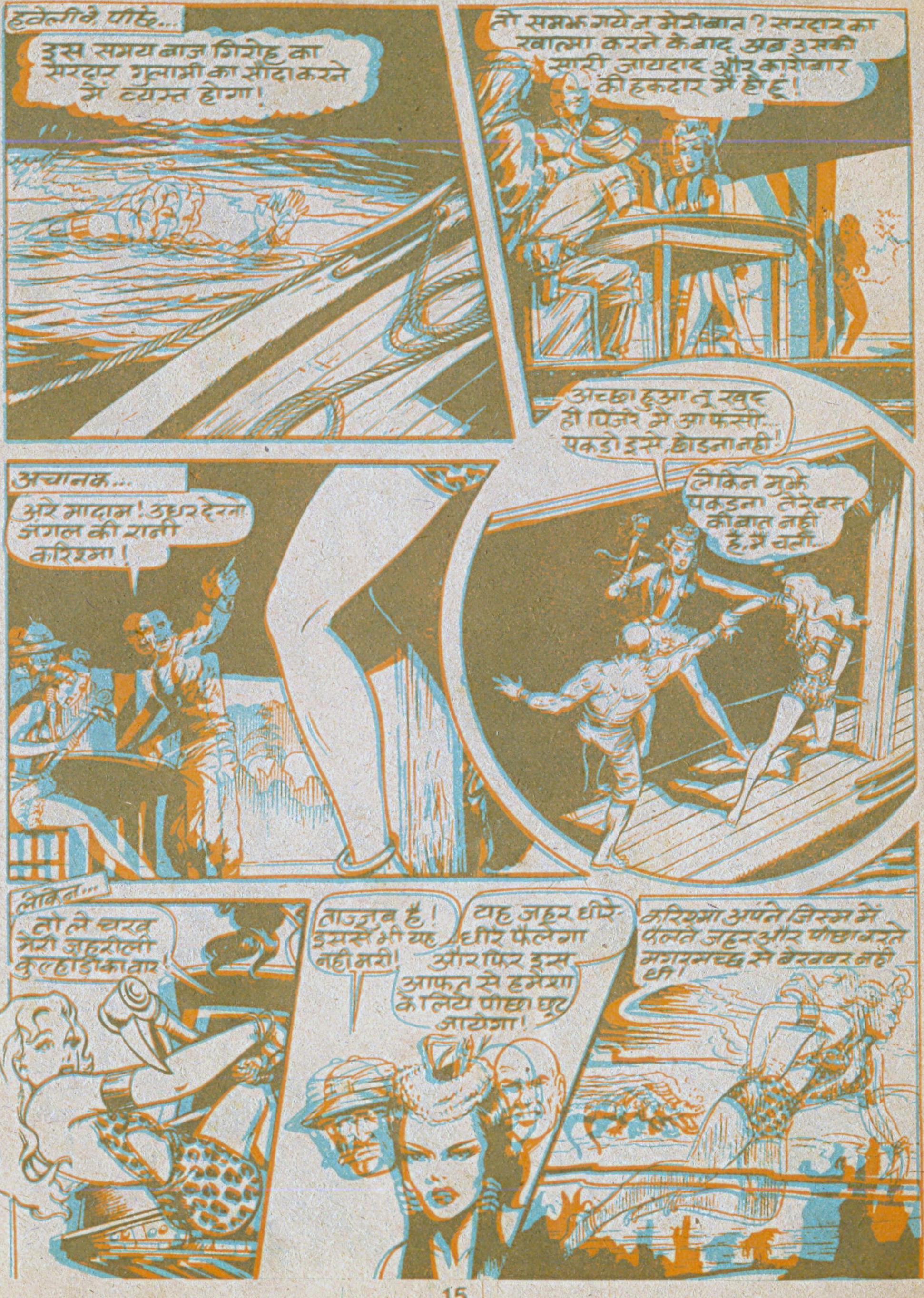
हवेली के पीछे...
इस समय बाज गिरोह का सरदार गुलामी का सौदा करने में व्यस्त होगा!
तो समझ गये न मेरी बात? सरदार का खात्मा करने के बाद अब उसकी सारी जायदाद और कारोबार की हकदार मैं ही हूं!
अचानक...
अरे मादाम! उधर देखो जंगल की रानी करिश्मा!
अच्छा हुआ तू खुद ही पिंजरे में आ फंसी... पकडो इसे, छोडना नहीं!
लेकिन मुझे पकडना तेरे बस की बात नहीं है, मैं चली...
लेकिन...
तो ले चख मेरी जहरीली कुल्हाडी का वार!
ताज्जुब है! इससे भी यह नहीं मरी!
यह जहर धीरे-धीरे फैलेगा और फिर इस आफत से हमेशा के लिये पीछा छूट जायेगा!
करिश्मा अपने जिस्म में पलते जहर और पीछा करते मगरमच्छ से बेखबर नहीं थी!

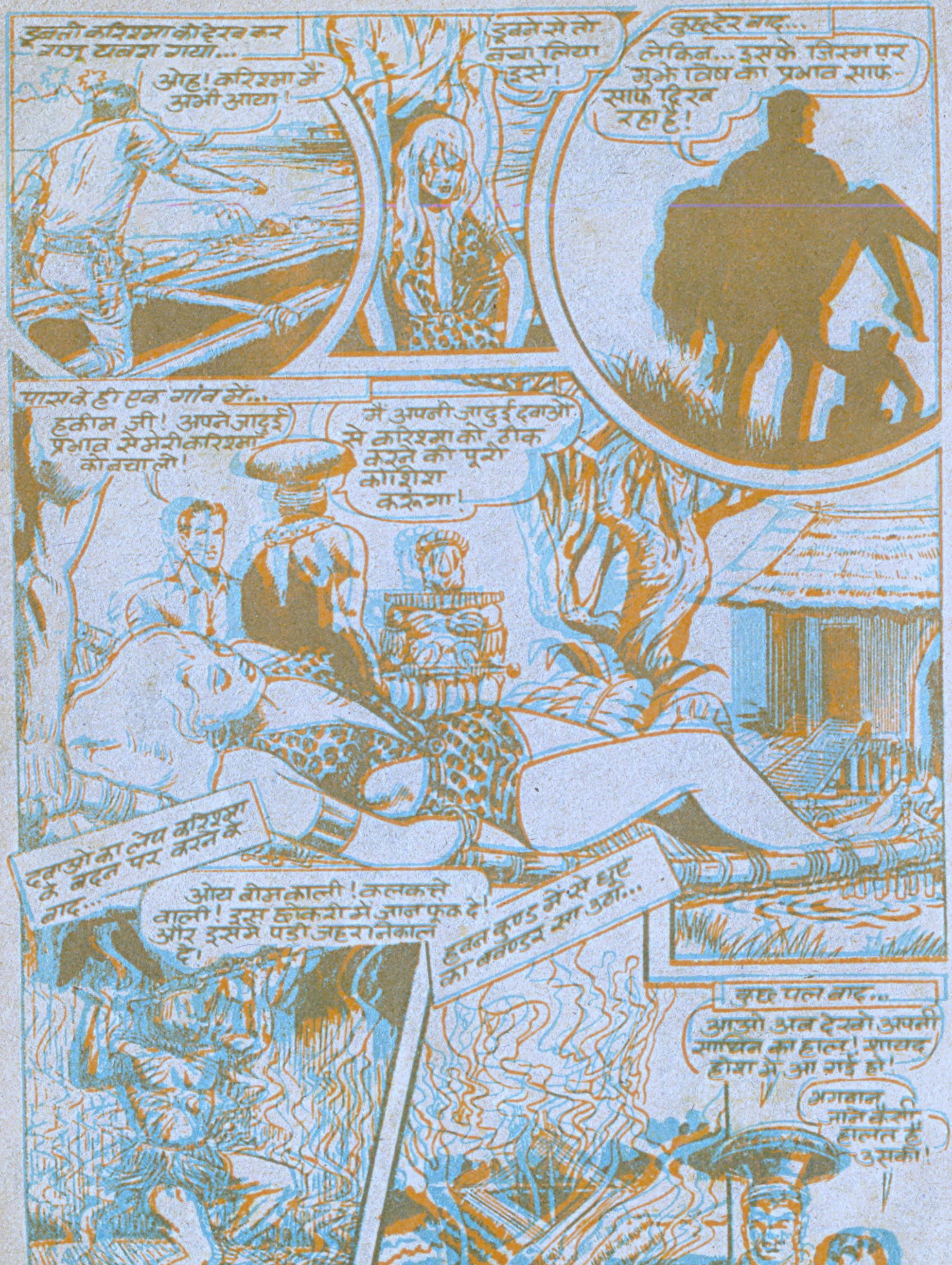

डूबती करिश्मा को देख कर राजू घबरा गया...
ओह! करिश्मा मैं अभी आया!
डूबने से तो बचा लिया इसे!
कुछ देर बाद...
लेकिन... इसके जिस्म पर मुझे विष का प्रभाव साफ-साफ दिख रहा है!
पास के ही एक गांव में...
हकीम जी! अपने जादुई प्रभाव से मेरी करिश्मा को बचा लो!
मैं अपनी जादुई दवाओं से करिश्मा को ठीक करने की पूरी कोशिश करूंगा!
दवाओं का लेप करिश्मा के बदन पर करने के बाद...
ओय बोम काली! कलकत्ते वाली! इस छोकरी में जान फूंक दे! और इसमें पड़ी जहर निकाल दे!
हवन कुण्ड में से धुएं का बवण्डर सा उठा...
कुछ पल बाद...
आओ अब देखो अपनी साथिन का हाल! शायद होश में आ गई हो!
भगवान जाने कैसी हालत है उसकी!

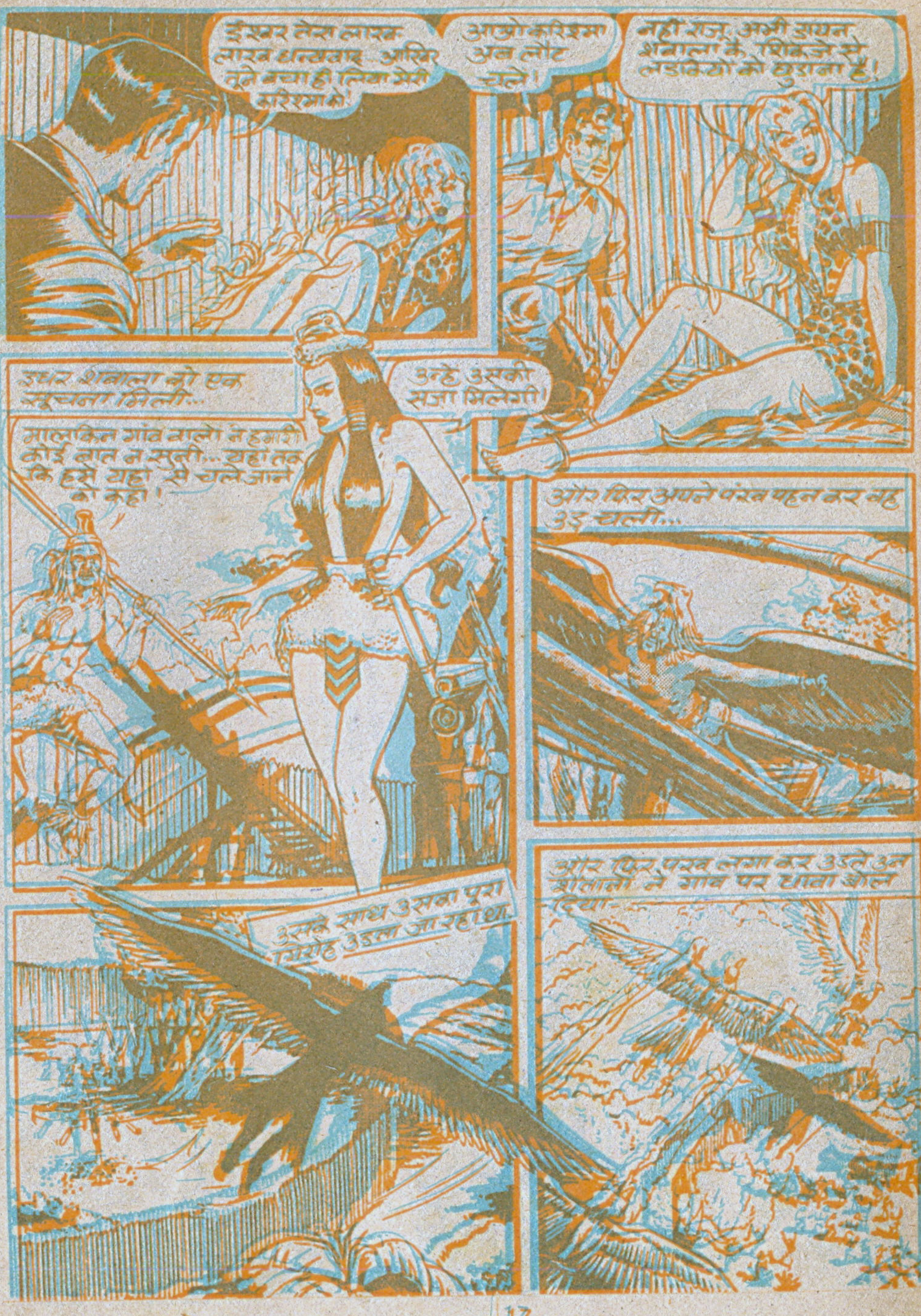
ईश्वर तेरा लाख लाख धन्यवाद... आखिर तूने बचा ही लिया मेरी करिश्मा को!
आओ करिश्मा अब लौट चलें!
नहीं राजू, अभी डायन शबाला के शिकंजे से लड़कियों को छुड़ाना है!
इधर शबाला को एक सूचना मिली...
मालकिन गांव वालों ने हमारी कोई बात न सुनी... यहां तक कि हमें यहां से चले जाने को कहा।
उन्हें उसकी सजा मिलेगी!
और फिर अपने पंख पहन कर वह उड़ चली...
उसके साथ उसका पूरा गिरोह उड़ता जा रहा था
और फिर पंख लगा कर उड़ते उन शैतानों ने गांव पर धावा बोल दिया...

और फिर गांव की सारी लड़कियों को हांक ले गये...
मालकिन माल अच्छा बरामद हुआ है एक दम लाजवाब!
बहुत खूब अब वापस चलो!
बाद में...
हमारी नई मालकिन बड़ी तेज-तर्रार है, देखना... वह जल्दी ही सबको मालामाल कर देगी!
उधर गांव में...
कुछ नहीं बचा राजू! शबाला ने सब कुछ तबाह कर दिया... पूरे गांव में अब एक भी लड़की नहीं है!
शबाला का हुक्म था कि जैसे ही करिश्मा यहां आये उसे खत्म कर दिया जाये...
अचानक पक्षी ने जानवरों का पिंजरा खोल दिया।
राजू देखो! भूखे चीते हमारी ओर!
चीतों के साथ पक्षियों का भी हमला...
भागो करिश्मा!

करिश्मा..ठीक तुम्हारे पीछे! एक चीता... भागो!
जंगल की रानी पर हमला-वार होकर तूने अपनी ही मौत बुलाई है!
दोस्त, वे चीतों को मार कर भाग निकले...उन्हें घेरो...पकड़ो...
राजू भागो! हम इतने लोगों के साथ नहीं लड़ सकते!
दफा हो जाओ शैतानो! करिश्मा तुम्हारे हाथ नहीं आने वाली!
अरे! राजू पकड़ा गया मैं नहीं पकड़ में आने वाली वरना उसे छुड़ाऊंगी कैसे?
उफ!
करिश्मा बेबसी से देखती रह गयी...
वे अब राजू को शबाला के पास ले आयेंगे... मैं उनका पीछा करूंगी... और...

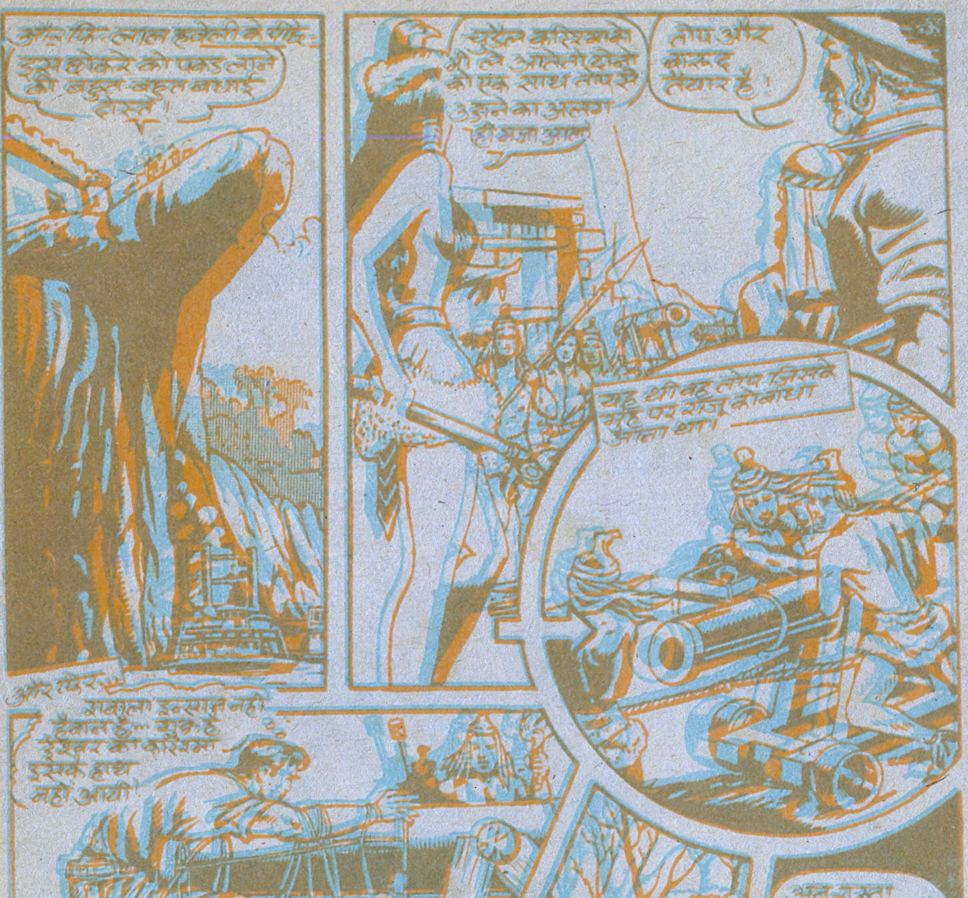
और फिर लाल हवेली के पीछे-
इस छोकरे को पकड़ लाने की बहुत-बहुत बधाई दोस्त!
चुड़ैल करिश्मा को भी ले आते तो दोनों को एक साथ तोप से उड़ाने का अलग ही मजा आता!
तोप और बारूद तैयार है!
यह थी वह तोप जिसके मुँह पर राजू को बांधा जाना था।
और फिर...
सबालों इन्सान नहीं हैवान है... मुझे ईश्वर का करिश्मा इसके हाथ नहीं आयी।
लेकिन अब वह खुद ही आ पहुँची थी...
ओह! पहरेदार! ठीक है तो पहले इन्हीं पर वार करूँ!
ओह!
अब रास्ता साफ है... अ... और ये हैं वह लड़कियाँ जिन्हें संभालो लेकर जायेगी
अरे देखो करिश्मा!

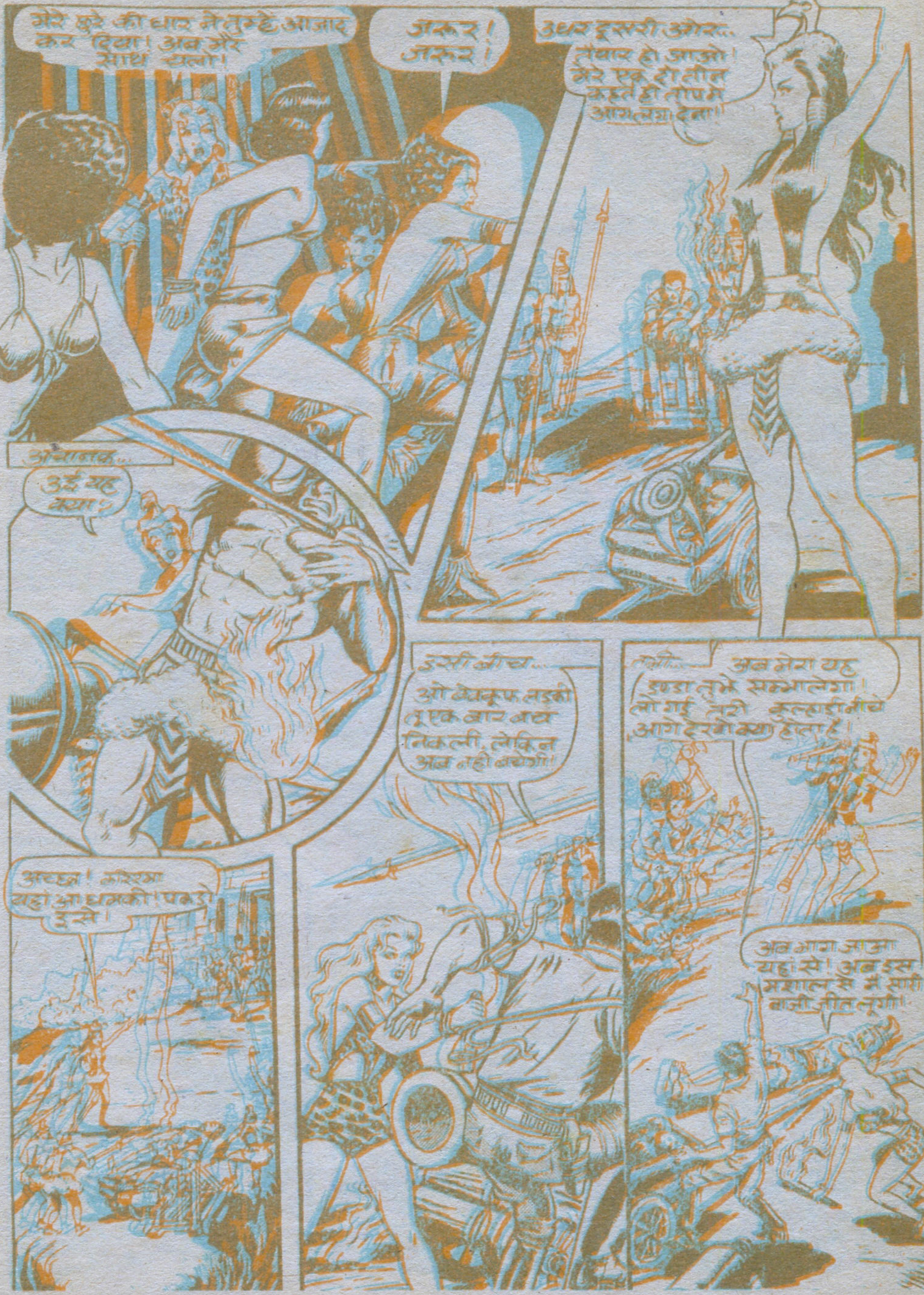

मेरे छुरे की धार ने तुम्हें आजाद कर दिया! अब मेरे साथ चलो!
जरूर! जरूर!
उधर दूसरी ओर...
तैयार हो जाओ! मेरे एक दो तीन कहते ही तोप में आग लगा देना!
अचानक...
उई यह क्या?
इसी बीच...
ओ बेवकूफ लड़की तू एक बार बच निकली, लेकिन अब नहीं बचेगी!
अब मेरा यह डण्डा तुझे सम्भालेगा!
तभी...
लो गई तेरी कुल्हाड़ी नीचे आगे देखो क्या होता है!
अच्छा! करिश्मा यहां आ धमकी! पकड़ो इसे।
अब भाग जाओ यहां से! अब इस मशाल से मैं सारी बाजी जीत लूंगी!

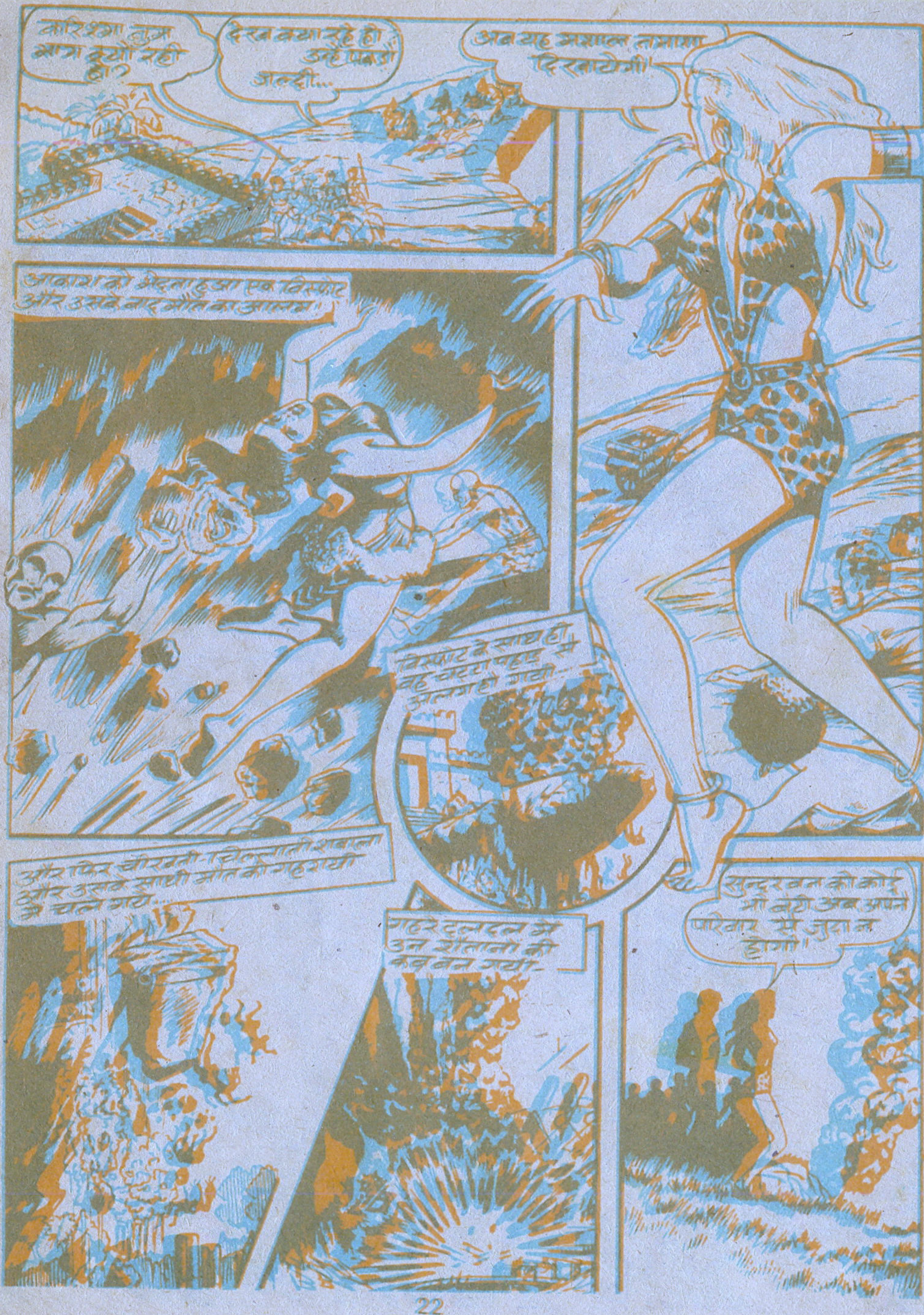
करिश्मा तुम भाग क्यों रही हो?
देख क्या रहे हो उन्हें पकड़ो जल्दी...
अब यह मशाल तमाशा दिखायेगी।
आकाश को भेदता हुआ एक विस्फोट और उसके बाद मौत का आलम।
विस्फोट के साथ ही वह चट्टान पहाड़ से अलग हो गयी...
और फिर चीखती-चिल्लाती शबाला और उसके साथी मौत की गहराई में चले गये...
गहरे दलदल में उन शैतानों की कब्र बन गयी-
सुन्दरवन की कोई भी बेटी अब अपने परिवार से जुदा न होगी।

चिंपू
कोयम्बतूर के जंगल में चटपट नाम का एक बुद्धिमान पढ़ा लिखा बन्दर रहता था. एक दिन उसने "हनुमान चालीसा" की नकल में कुछ दोहे व चौपाइयां लिखीं।
पवन तनय मंगल हरन चिन्ता करन...
चटपट का डेरा
ऐ भुक्कड़ चल।
क्या खूब लिखने लगा है! जय चटपट महाराज की!
वाह!
हमारी अक्ल में तो भूसा भरा है।
और इस प्रकार सारे जंगल में चटपट की धूम मच गयी. वहां के सारे जानवर उसे नेता मानने लगे...
चटपट का डेरा इस ओर
अब चिम्पू की एक न चलेगी... मैं हूं नेता यहां का!
क्या खूब!
पवन तनय
मजा आ गया!

खरगोश मैं सबसे पढ़ा लिखा हूं, और पूरे जंगल का नेता हूं!
हा, हा!
हा, हा!
हा, हा
सुनो चिम्पू भाई! चटपट ने तुम्हारी गद्दी छीन ली!
ऐ!
पार्क
नारियल!
आखिर चाहते क्या हो तुम?
BRONX
अब इस गाड़ी को नारियलों से भर दो... फिर देखना मजा...
सब तैयार है न? अब दिखाता हूं!
वाह चिम्पू!
वह आ रहा है चटपट!
एक दो...
और तीन...
POP
अब देखो हुलिया चटपट का बड़ा आया था नेतागिरी करने

हिम्मत सिंह की हिम्मत

नोट :- 3D का पूरा आनन्द पाने के लिए कृपया इस पुस्तक को पढ़ते समय बाईं आंख पर लाल और दाईं आंख पर नीला चश्मा लगाएं।

सावधान अजनबी तुम्हारे पीछे गेंडा है!
अरे... नहीं!
नीलीघाटी के उस मन्दिर के पास।

मन्दिर के बिल्कुल पास ही...
वह हीरे जड़े गुम्बद वाले उस मन्दिर में प्रविष्ट हुआ...
ऐ सुन्दरवन के बच्चे! बता तूने एक सरकारी आदमी को क्यों बन्दी बनाया है?
हिम्मत!
पुजारी जी, यह दोनों मन्दिर के पास घूम रहे थे!

तारा मैं अभी आया!
भागता कहां है...? ले सम्भाल मेरा वार!
मैं इसे अपने पास ही रखूंगा... फिर यही मुझे मंजा चखायेगा!
संक्षेप में बड़ी अद्भुत भाषा में वह उन्हें सब बताता है और उनकी मदद मांगता है
कूदता-फांदता हिम्मत जंगल के उस भाग में पहुंचता है जहां वनमानुषों की टोली रहती थी!
अब मैं चलता हूं! जैसा मैंने तुम्हें बताया वैसा ही करना... वरना वे मारे जायेंगे!
बक्शी ने बचने की सारी उम्मीद छोड़ दी... तभी अचानक मन्दिर के पीछे से कुछ वनमानुष उतरे...
बचाओ... पता नहीं ये कम्बख्त कहां से आ टपके!
और फिर...
मैं जानती थी हिम्मत हमें छुड़ा लेगा।
जवाब नहीं तुम्हारी हिम्मत का!
दूसरों के लिये जान की बाजी लड़ाना हिम्मतसिंह ने खूब अच्छी तरह सीखा है!

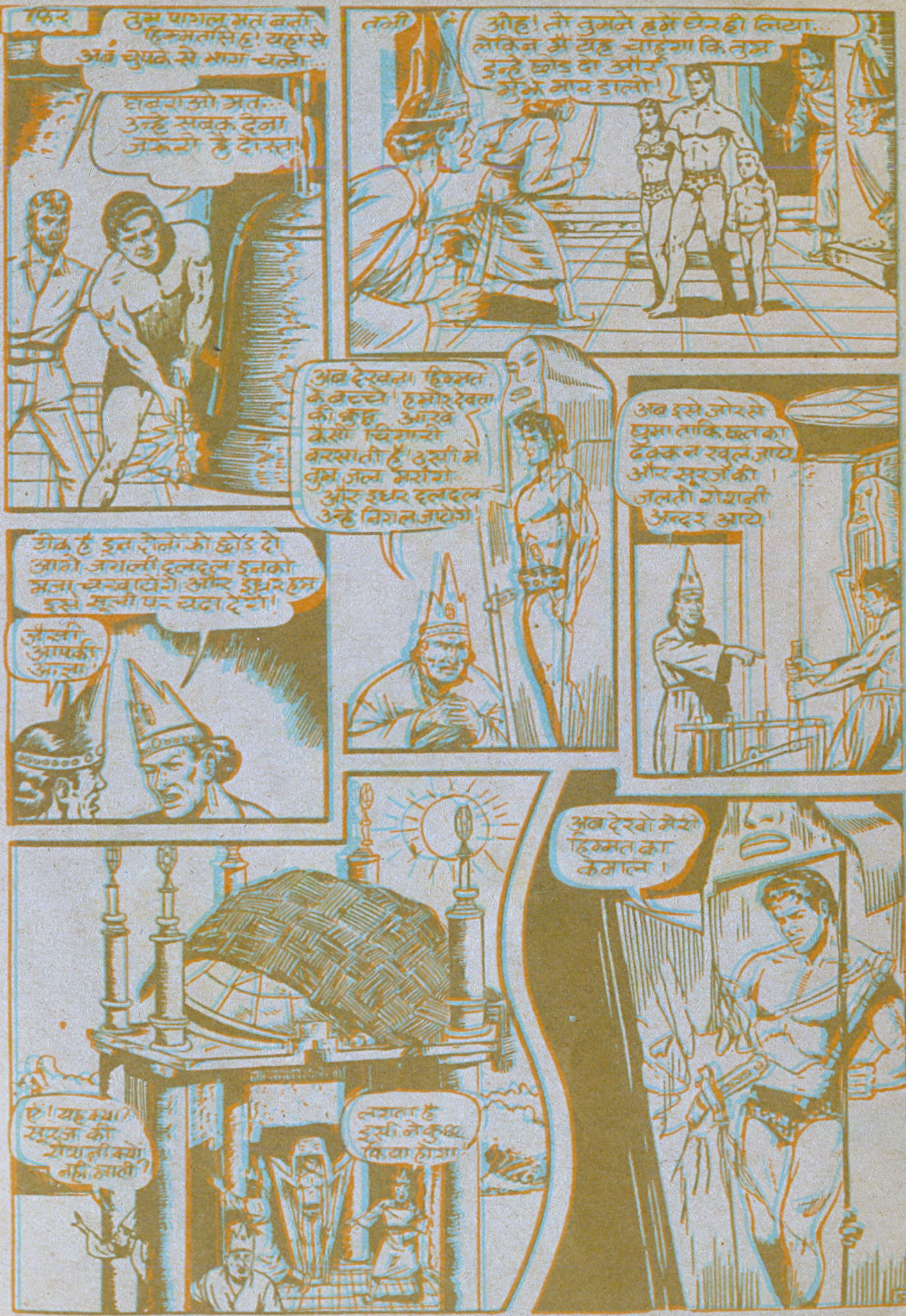

फिर
तुम पागल मत बनो हिम्मतसिंह! यहां से अब चुपके से भाग चलो...
घबराओ मत... उन्हें सबक देना जरूरी है दोस्त!
तभी
ओह! तो तुमने हमें घेर ही लिया... लेकिन मैं यह चाहूंगा कि तुम इन्हें छोड़ दो और मुझे मार डालो!
ठीक है इन दोनों को छोड़ दो आगे जंगली दलदल इनको मजा चखवायेगी और इधर हम इसे सूली पर चढ़ा देंगे!
जो आपकी आज्ञा!
अब देखना हिम्मत के बच्चे! हमारे देवता की कुछ आंखें कैसी चिंगारी बरसाती हैं उसी में तुम जल मरोगे और इधर दलदल उन्हें निगल जायेगी!
अब इसे जोर से घुमा ताकि छत का ढक्कन खुल जाये और सूरज की जलती रोशनी अन्दर आये!
अब देखो मेरी हिम्मत का कमाल!
ऐ! यह क्या? सूरज की रोशनी क्यों नहीं आती?
लगता है इसी ने कुछ किया होगा!

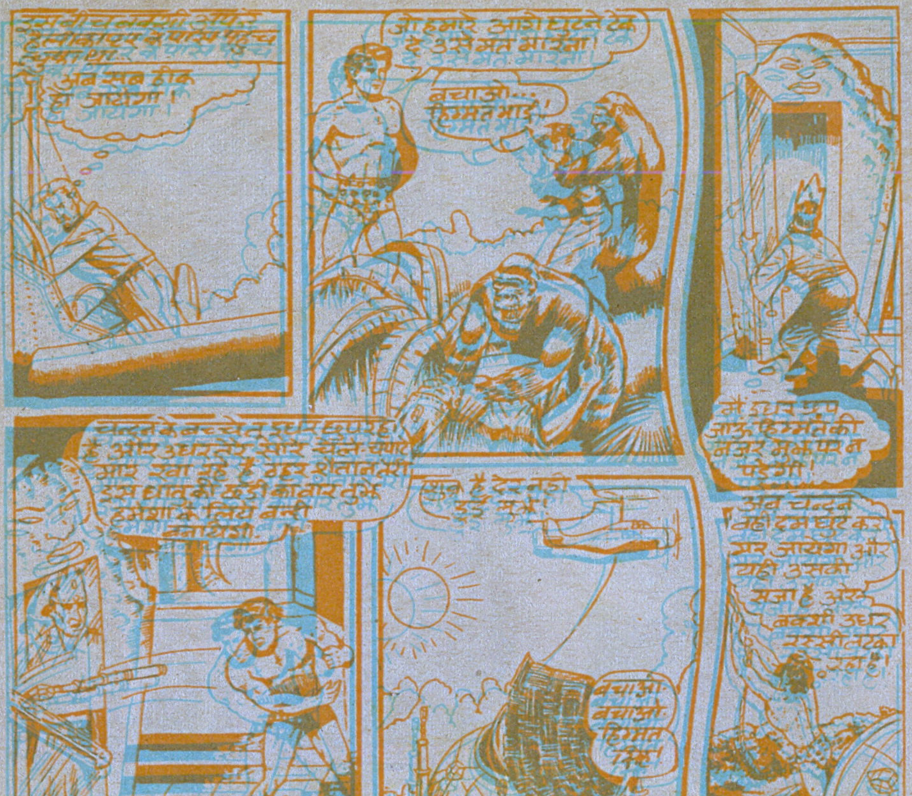

डायमण्ड कॉमिक्स का आगामी 3-D "भयानक मौत" अगले माह पढ़ना न भूलें!